>

Title : Need to improve the functioning of Banaras Hindu University, Uttar Pradesh.

श्री बाल कुमार पटेल (मिर्ज़ापुर): विश्व विख्यात बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय व्यवसायीकारण की तरफ बढ़ते कदमों से अपनी मूल पहचान खोता जा रहा है। बी0एच0यू0 एक्ट के अनुरूप न होते हुए मुख्य कैम्पस से 85 कि0मी0 दूर विस्तारित "राजीव गांधी दक्षिणी कैम्पस बरकछा" मीरजापुर से प्रयोगशाला, शोध व व्यवसायिक कोर्स का संचालन एवं कर, निजी संस्थानों की तरह सुविधाविहीन परिसर से कोर्स संचालन एवं मुख्य परिसर से अत्यधिक फीस वसूलने से बी0एच0यू0 की गरिमा खंडित हो रही है। बी0एच0यू0 का नाम बतौर ब्रांड के रूप में इस्तेमाल कर छात्रों, अध्यापकों एवं आम जनमानस से गंभीर खेल खेला जा रहा है जो रोष का कारण है। परिसर में अध्ययन कार्य बगैर प्रयोगशाला, सुयोग्य शिक्षकों व अन्य मूलभूत सुविधाओं के करना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों की अवहेलना है। बगैर यू0जी0सी0 के अनुमोदन के शिक्षकों को व्यवस्था रहित 85 कि0मी0 दूर परिसर में स्थानांतरित करने से गंभीर असंतोष व्याप्त है, जिसका असर शिक्षण कार्य पर है। मानक के अनुरूप कोर्सों का संचालन न किया गया तो बी0एच0यू0 की गरिमा खंडित हो जायेगी।